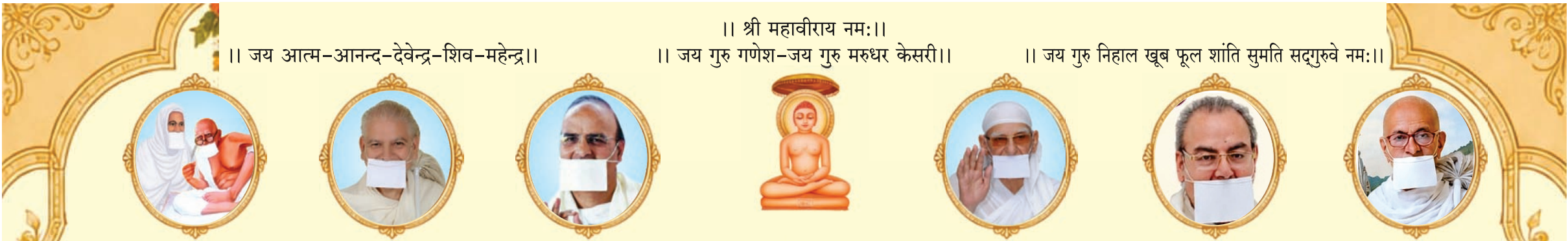


दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूर और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित



॥ जय आत्म-आनन्द-देवेन्द्र-शिव-महेन्द्र ॥

॥ श्री महावीराय नमः ॥

॥ जय गुरु निहाल खूब फूल शांति सुमति सद्गुरुवे नमः ॥

फूलों की नगरी बेंगलोर की धन्यधरा महावीर धर्मशाला में
आध्यात्मिक मंगलमय
चातुर्मास प्रवेश
स्नेह भरा आत्मीय आमंत्रण
दिनांक 26-07-2026, रविवार

अस्सीम पुण्योदय से चतुर्थ पट्टधर, ध्यान योगी, आचार्य सम्राट 1008 श्री शिवमुनिजी म.सा. के आज्ञानुवर्ती राजर्षि, तपस्वीरत्न गुरुदेव श्री सुमतिप्रकाशजी म.सा., वाचनाचार्य उपाध्याय प्रवर डॉ. श्री विशालमुनिजी म.सा., उत्तर भारतीय प्रवर्तक श्री आशीषमुनिजी म.सा. के सुशिष्य, आगम ज्ञाता, वाणी के जादूगर, प्रज्ञा महर्षि दक्षिण भारकर पूज्य गुरुदेव डॉ. श्री समकितमुनिजी म.सा., प्रेरणा कुशल पूज्य श्री भवांतमुनिजी म.सा., गायन कुशल पूज्य श्री जयवंतमुनिजी म.सा. आदि ठाणा 3 का चातुर्मास कराने का सौभाग्य हमें प्राप्त हुआ है। आप सभी महानुभावों से हमारी विनंती है कि चातुर्मास के पावन अवसर पर आयोजित सभी कार्यक्रमों में समय पर यथारकर जिनवाणी श्रवण, दर्शन, मांगलिक एवं ज्ञान आराधना का लाभ उठावें।

समारोह के मुख्य अतिथि : **श्री लहरसिंहजी सिरैया** (राज्यसभा सांसद)

चातुर्मास मंगल प्रवेश कार्यक्रम

- प्रातः 6.40 बजे : अल्पाहार – श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, बेंगलोर सेन्ट्रल श्रीसंघ के सौजन्य से जैन कालेज, वी. वी. पुरम में
- प्रातः 7.30 बजे से : सहजोड़े आगम आराधना (सुख विपाक सूत्र) – 20 लक्की जापकर्ताओं को ड्रा द्वारा रजत सिक्के महावीर धर्मशाला में प्रदान किये जायेंगे।
- प्रातः 8.40 बजे : मंगलमय शोभायात्रा जैन कालेज (संभवनाथ जैन भवन के सामने) वि.वि. पुरम से प्रारंभ
- प्रातः 9.30 बजे : महावीर धर्मशाला के प्रांगण में मंगलमय चातुर्मास प्रवेश

चातुर्मास प्रवेश कार्यक्रम के पश्चात् गौतम प्रसादी की व्यवस्था रखी गई है। अतः आप सभी से निवेदन है कि श्रीसंघ एवं इष्ट मित्रों सहित पधारकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ावें एवं हमारे समिति को सेवा का अवसर प्रदान करावें।

चातुर्मास स्थल : **महावीर धर्मशाला**, नं. 17, नेशनल हाईस्कूल रोड, वी. वी. पुरम, बेंगलोर

डायमण्ड लाभार्थी		वर्षावास के अर्थ सहयोगी		डायमण्ड लाभार्थी	
श्री रायचन्दजी चैनराजजी छाजेड़	श्री बाबुलालजी अशोककुमारजी रांका	श्री खेमचन्दजी नवरतनमलजी कांकरिया	श्री पुखराजजी हेमन्तकुमारजी बोथरा	श्री सुरेशलालजी किशोरकुमारजी समदड़िया	
श्री प्रकाशचन्दजी दीपकजी बेताला	श्री भागचन्दजी विकासकुमारजी कोठारी	श्री महावीरचन्दजी ललिता मरलेचा	श्री राजेशकुमारजी मनोजकुमारजी बोहरा	श्री उगमराजजी कमलकिशोरजी लुणावत	
श्री अशोककुमारजी महेन्द्रकुमारजी रांका	श्री दिलीपकुमारजी वसन्तकुमारजी चोपड़ा	श्री मितापाचन्दजी संदीपजी भंडारी	श्री राजेन्द्रकुमारजी मोहितकुमारजी मरलेचा	श्री उत्तमचन्दजी आनन्दकुमारजी चोरड़िया	
श्री पुष्पचन्दजी उदयरराजजी चोरड़िया	श्री धर्मचन्दजी विनयजी बाफना	श्री मिठालालजी ज्ञानेन्द्रकुमारजी मकाणा	श्री रमेशचन्दजी पवनचन्दजी नाहर	श्री विमलजी सुनीलजी सिपानी	
श्री रमेशचन्दजी पवनजी सिसोदिया	श्री गौतमचन्दजी गणपतराजजी बाफना	श्री पन्नालालजी भरतकुमारजी कोठारी	श्री सम्पतराजी चेतनकुमारजी मरलेचा	श्रीमती झमकुबाई चांदमलजी कोठारी	
श्री जम्बुकुमारजी श्रेयांसकुमारजी दुगड़	श्री हस्तीमलजी अनिलकुमारजी कोठारी	श्री पवनकुमारजी विकासकुमारजी मेहता	श्री सतीशकुमारजी किशोरकुमारजी रुणवाल	श्रीमती संतोषदेवी, चेतनकुमारजी रेदासणी	
श्री गुलाबचन्दजी प्रशान्तकुमारजी पगारिया	श्री इन्द्रचन्दजी रतनचन्दजी सिंधी	श्री प्रशान्तकुमारजी अंकितजी बाफना	श्री शांतिलालजी सुरेशचन्दजी मांडोत	श्रीमती संतोषबाई महेन्द्रकुमारजी मेहता	
श्री शांतिलालजी आशीषजी भंडारी	श्री जवाहरालाजी दिनेशकुमारजी पगारिया	श्री प्रसन्नचन्दजी निलेशकुमारजी कांटेड़	श्री सुजानमलजी किशोरकुमारजी कर्नावट	श्रीमती विमला कमलजी सिपानी	
श्री अजितमलजी निकुन्जकुमारजी कोठारी	श्री केसरीमलजी सुजानमलजी प्रकाशजी बुरड़		श्री सुनीलकुमारजी राजेशकुमारजी गादिया	मेसर्स. पंचशील फार्मा	
श्री अशोककुमारजी नितिनकुमारजी रांका		प्लेटिनम लाभार्थी		श्री पारसमलजी दिलीपकुमारजी गुलेच्छा	
श्री अशोककुमारजी प्रसन्नकुमारजी बोहरा		श्री गणपतराजजी महावीरचन्दजी रुणवाल		श्री प्रेमकुमारजी सुमितकुमारजी कोठारी	
श्री दिनेशकुमारजी गौतमचन्दजी रांका		श्री ज्ञानचन्दजी अमितजी बाफना		श्री रणजीतमलजी सुरेन्द्रकुमारजी चोरड़िया	
श्री धर्मीचन्दजी सुरेन्द्रकुमारजी टोडरवाल		श्री महावीरचन्दजी आनन्दकुमारजी चुत्तर		श्री तगतराजजी मनोजकुमारजी बाफना	
				मेसर्स. पंचकेसरी बडेरा ज्वेलर्स	
				गुप्त सहयोगी	
				गुप्त सहयोगी	
				गुप्त सहयोगी	
डॉ. अशोककुमारजी अनिलकुमारजी समदड़िया		गोल्ड लाभार्थी		श्री शांतिलालजी संजयकुमारजी सांड	
डॉ. भीकमचन्दजी संतोषजी सकलेचा		श्री मिश्रीलालजी पारसमलजी कातरेला		श्री सुमतमलजी सौरभकुमारजी सुराणा	
श्री आनन्दकुमारजी विशालकुमारजी बोहरा		श्री नन्दकिशोरजी विनितकुमारजी समदड़िया		श्री श्रीपालजी प्रतीकजी खटोड़	
श्री अनिलकुमारजी सुनीलकुमारजी समदड़िया		श्री पदमराजजी महेन्द्रकुमारजी मुणोत		श्री सुनीलकुमारजी आदेशकुमारजी सांखला	
श्री भरतकुमारजी जयचन्दजी रांका		श्री पारसमलजी कमलाबाई कोठारी		श्री सुनीलकुमारजी बसंतकुमारजी मरलेचा	
श्री धीरजकुमारजी नीरजकुमारजी नाहर		श्री प्रकाशमलजी मानमलजी कांरंगा		श्री सुनिलकुमारजी विनीतकुमारजी लोढा	
श्री दिलीपकुमारजी अभिषेकजी पगारिया		श्री प्रकाशचन्दजी राकेशकुमारजी बिलवाड़िया		श्री सुरेशकुमारजी पवनकुमारजी छछाणी	
श्री गौतमचन्दजी कमलचन्दजी भंडारी		श्री पुखराजजी शांतिलालजी मेहता		श्री तेजराजजी रोहितकुमारजी बिलवाड़िया	
श्री ज्ञानचन्दजी मनीषकुमारजी मुथा		श्री रिक्कबचन्दजी वर्धमानजी मेहता		श्री उगमराजजी महेन्द्रकुमारजी बोहरा	
श्री ज्ञानचन्दजी रिषभकुमारजी भंडारी		श्री रोहितकुमारजी आकाशकुमारजी नाहटा		श्री उगमराजजी पदमचन्दजी चोपड़ा	
				गुप्त सहयोगी	
				गुप्त सहयोगी	
श्री अजितकुमारजी महावीरचन्दजी कातरेला		सिल्वर लाभार्थी		श्री शांतिलालजी राजमलजी कांटेड़	
श्री अशोककुमारजी विनोदकुमारजी चोरड़िया		श्री प्रफुलजी पुष्पाजी बोहरा		श्री सुभाषचन्दजी तेजराजजी खिंवसरा मुथा	
श्री अशोककुमारजी विनोदकुमारजी धारीवाल		श्री प्रकाशचन्दजी अशोककुमारजी धोका		श्री सुखवीरचन्दजी जितेशकुमारजी कोठारी	
श्री दीपचन्दजी महेन्द्रकुमारजी भंसांली		श्री प्रकाशचन्दजी रौनककुमारजी समदड़िया		श्री सुनीलकुमारजी यशपालजी समदड़िया	
श्री गौतमचन्दजी प्रतीककुमारजी मेहता		श्री प्रकाशचन्दजी सिद्धार्थजी कोठारी		श्री सुरेशकुमारजी कविशजी नावेदिया	
श्री जम्बुकुमारजी चेतनकुमारजी धारीवाल		श्री पुखराजजी देवीचन्दजी रांका		श्री वसन्तकुमार विशालकुमारजी सुराणा	
श्री कल्याणसिंहजी सुभाषचन्दजी बुरड़		श्री रमेशकुमारजी दीपककुमारजी लुंकड़		श्री विजयराजजी खिंवसरा मुथा	
				श्रीमती संतोषबाई गुमानचन्दजी बोथरा	
				गुप्त सहयोगी – गुप्त सहयोगी	
				गुप्त सहयोगी	
				विशेष सहयोगी	
				श्री वी. महावीरचन्दजी प्रशान्तजी पोकरना	
				श्री महावीरचन्दजी प्रदीपकुमारजी डुंगरवाल	

* निवेदक * बेंगलोर चातुर्मास समिति — 2026

चेयरमेन	चेयरमेन	चेयरमेन	प्रमुख संयोजक	अध्यक्ष	कार्याध्यक्ष	महामंत्री	कोषाध्यक्ष	सह-कोषाध्यक्ष
रायचन्द छाजेड़	प्रकाशचन्द बेताला	अशोककुमार रांका	पुष्प चोरड़िया	रमेशचन्द सिसोदिया	राजेश बोहरा	जम्बुकुमार दुगड़	गुलाबचन्द पगारिया	के. अशोक रांका - राजमल कांटेड़
प्रमुख मार्गदर्शक	बाबुलाल रांका	चेतनप्रकाश डूंगरवाल	निर्मलकुमार सुराणा	पन्नालाल कोठारी	सम्पतराज मरलेचा	शांतिलाल भंडारी	प्रकाशचन्द बुरड़	सज्जनराज लुंकड़
	डा. भीकमचन्द सकलेचा	किशनलाल कोठारी	पदमराज मेहता	पुखराज बोथरा	शांतिलाल सांड	राजेन्द्रकुमार मरलेचा	महेन्द्रकुमार मुणोत	किशोरकुमार कर्नावट
महिला समिति	मंजु बाफना	रसीला मरलेचा (अध्यक्ष)	पुष्पा बोहरा (मंत्री)	युवा समिति	विकास कोठारी (मार्गदर्शक)	प्रदीप कांटेड़ (अध्यक्ष)	रुपेश सिसोदिया	पदाधिकारीगण, कार्यकारिणी समिति एवं समस्त सदस्यगण
	(प्रमुख मार्गदर्शक)	संतोष आच्छा (कार्याध्यक्ष)	मंजु मांडोत (कोषाध्यक्ष)		आशीष भंसांली (चेयरमेन)	प्रदीप धोका (मंत्री)	(कोषाध्यक्ष)	

आवास निवास सम्पर्क सूत्र : 9481733466, 9448421522, 9986180945, 9341239735



जल संचयन बने जन आंदोलन, भावी पीढ़ियों का भविष्य करें सुरक्षित : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रदेश में सरकार के गठन के तुरंत बाद से ही हमने जल आत्मनिर्भरता के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं, जिनका असर धरातल पर नजर आ रहा है। उन्होंने कहा कि रामजल सेतु लिंक परियोजना से लेकर यमुना जल समझौते जैसे अभूतपूर्व कार्यों को मूर्त रूप देकर जल आपूर्ति के क्षेत्र में एक नए राजस्थान की आधारशिला रखी जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार के इन्होंने प्रयासों से राजस्थान आने वाले समय में जल प्रबंधन एवं जल संचयन का राष्ट्रीय मॉडल बनेगा।

मुख्यमंत्री शुक्रवार को जयपुर में 'राजस्थान वाटर कॉन्फ्लेक्स' को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जल संरक्षण को राष्ट्रीय कर्तव्य मानते हैं और आने वाली

पीढ़ियां हमारे जल संरक्षण के प्रयासों के आधार पर हमारा मूल्यांकन करेंगी। कैच द रेन, नमामि गंगे, जल संचय-जन भागीदारी, जल जीवन मिशन, अटल भूजल योजना, अमृत सरोवर, हर खेत को पानी तथा प्रति बूंद अधिक फसल जैसे दूरदर्शी कार्यक्रमों ने देश में जल सुरक्षा को नई दिशा प्रदान की है।

मुख्यमंत्री ने जल संरक्षण के क्षेत्र में कार्यरत विभिन्न संस्थाओं एवं विषय विशेषज्ञों से संवाद कर उनके अनुभव, नवाचारों एवं सुझावों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण वर्तमान और भावी पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य से जुड़ा महत्वपूर्ण विषय है। सरकार के प्रयासों, संस्थाओं के सहयोग, विशेषज्ञों के अनुभव और आमजन की सक्रिय भागीदारी से राजस्थान जल आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने संस्थाओं एवं विशेषज्ञों से आह्वान किया कि वे स्थानीय स्तर की जल चुनौतियों को समझते हुए आधुनिक तकनीक आधारित मॉनिटरिंग, नवाचारपूर्ण समाधानों और वैज्ञानिक दृष्टिकोण

के साथ जल संचयन, संरक्षण एवं प्रबंधन के क्षेत्र में अपना योगदान दें।

उन्होंने कहा कि रामजल सेतु लिंक परियोजना राजस्थान के जल इतिहास का नया अध्याय है। इस परियोजना से प्रदेश के 17 जिलों में पेयजल सुरक्षा सुनिश्चित होने के साथ ही लगभग 4 लाख 84 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी। वहीं, यमुना जल समझौते के तहत लगभग 295 किलोमीटर लंबी पाइपलाइन से 1,917 क्यूसेक यमुना जल शेखावाटी पहुंचेगा, जिससे सीकर, झुंझुनूं और चूरु जिले के लगभग 75 लाख लोगों को स्थायी पेयजल राहत मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि उदयपुर शहर की पेयजल आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए 1 हजार 691 करोड़ रुपये की लागत से देवास तृतीय एवं देवास चतुर्थ परियोजनाओं पर तेजी से कार्य किया जा रहा है। इसी प्रकार पश्चिमी राजस्थान के लिए आइजीएनपी के नहरी क्षेत्रों का सुदृढीकरण किया जा रहा है। वहीं, नर्मदा के पानी को रानीवाड़ा और भीनमाल तक पहुंचाने

और ब्राह्मणी नदी के पानी को बीसलपुर तक लाने की कार्ययोजना को अंतिम रूप दिया जा रहा है। साथ ही, परवन बहुउद्देशीय सिंचाई परियोजना कोटा, बारां और झालावाड़ जिलों की जीवनरेखा साबित होगी। इस परियोजना पर राज्य सरकार अब तक 1 हजार 164 करोड़ रुपये व्यय कर चुकी है। इन सभी प्रयासों से पेयजल, कृषि और उद्योग सहित अन्य सभी क्षेत्रों में राजस्थान जल आत्मनिर्भर बनेगा। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाने के लिए कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान संचालित किया जा रहा है। इसके तहत भामाशाहों, प्रवासी राजस्थानियों तथा सीएसआर सहयोग से जल संरक्षण संरचनाओं का निर्माण करवाया जा रहा है। जिससे प्रदेश के कई क्षेत्रों के भूजल स्तर में सुधार हुआ है। इसी प्रकार, वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के माध्यम से जल स्रोतों की रक्षाई, पौधारोपण, जनजागरुकता तथा जल संरक्षण गतिविधियों को व्यापक जनभागीदारी के साथ संचालित किया गया।



राजस्थान में नशामुक्ति के लिए सभी स्तरों पर जवाबदेही तय हो : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने नशामुक्ति अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सभी स्तरों पर जवाबदेही तय करने पर बल देते हुए राज्यभर में एक माह का विशेष अभियान चलाने का आह्वान किया है। राज्यपाल ने शुक्रवार को लोकभवन में मादक पदार्थों के नियंत्रण, 'नशामुक्त भारत' अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन और भावी कार्ययोजना की समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य सचिव स्तर पर इस संबंध में तत्काल परिपत्र जारी करने तथा नशामुक्ति

के लिए प्रभावी कार्यवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने 'नशामुक्त राजस्थान' अभियान के तहत एक माह तक विशेष अभियान चलाने का भी आह्वान किया।

आधिकारिक बयान के अनुसार, बागडे ने कहा कि यदि किसी सरकारी विभाग का कोई कर्मचारी या अधिकारी मादक पदार्थों के अवैध कारोबार में लिप्त पाया जाता है तो उसे तत्काल निलंबित किया जाए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों में भी यह सुनिश्चित किया जाए कि मादक पदार्थों का सेवन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो।

राज्यपाल ने प्रदेश के सीमावर्ती क्षेत्रों में ड्रोन के माध्यम से नशीले पदार्थों की तस्करी पर चिंता

जताते हुए कहा कि इस पर त्वरित और प्रभावी कार्यवाई की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि स्कूलों में नैतिक मूल्यों के प्रसार को बढ़ावा देकर ही समाज में मादक पदार्थों के सेवन की प्रवृत्ति पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सकता है।

इस बैठक में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि केंद्र सरकार की पहल पर नशामुक्ति अभियान को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। उन्होंने 'नशामुक्त भारत' अभियान तथा राजस्थान में मादक पदार्थों पर नियंत्रण के लिए तय की गई प्राथमिकताओं की जानकारी दी।

पुलिस महानिदेशक राजीव शर्मा ने भी नशामुक्ति के लिए पुलिस विभाग द्वारा किए जा रहे प्रयासों और कार्यवाई की जानकारी दी।

थार मरुस्थल में तैयार हुई 28 किमी परिधि की विशाल कृत्रिम झील

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान को सुजलाम-सुफलाम बनाने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के भागीरथ प्रयासों से प्रदेश के हर कोने में रखते हुए इंदिरा गांधी नहर परियोजना क्षेत्र में चार एरैक्पे रिजर्वयर जल जीवन मिशन के तहत सत्तासर (बीकानेर) में आरडी-507 के पास, गजनेर लिफ्ट परियोजना क्षेत्र (बीकानेर) में आरडी-750 के पास, जोधपुर जिले में आरडी-1121 के पास और जैसलमेर जिले में बुर्जी 1356 जलाशय बनाने की योजना को मंजूरी दी गई थी। लम्बे समय से सुरुत पड़ी इस योजना में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में सरकार बनने के बाद इनके काम में तेजी आई और अब तक आरडी-507 एवं बुर्जी 1356 एरैक्पे रिजर्वयर का काम पूरा हो चुका है। इन चार जलाशयों से जल जीवन मिशन की 43 वृहद पेयजल परियोजनाओं के लिए अतिरिक्त पानी उपलब्ध हो सकेगा, जिससे 6 हजार 707 गांवों में 20 लाख से अधिक परिवारों को फायदा होगा।

औसतन 13 मीटर गहरे बुर्जी 1356 एरैक्पे रिजर्वयर में 1406 एमसीएफटी जल इकट्ठा हो सकेगा। निर्माण के दौरान जलाशय की तली और ढलानों पर विशेष एचडीपीई शीट बिछाई गई है, जो रेतीली मिट्टी में पानी के रिसाव को रोकती है।



राजस्थान सरकार को मिला डब्ल्यूएचओ का विश्व तंबाकू निषेध दिवस अवार्ड-2026

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में और चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवर के निर्देशन में जनस्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाने और तंबाकू नियंत्रण के क्षेत्र में किए गए प्रभावी प्रयासों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़ी पहचान मिली है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, राजस्थान सरकार को विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा विश्व तंबाकू निषेध दिवस अवार्ड-2026 से सम्मानित किया गया है। नई दिल्ली में शुक्रवार को आयोजित समारोह में राजस्थान सरकार की ओर से राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के राज्य नोडल अधिकारी एवं संयुक्त निदेशक

डॉ. एस.एन. धोलपुरिया ने डब्ल्यूएचओ केंद्री हेड से यह प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त किया।

प्रमुख शासन सचिव, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, श्रीमती गायत्री राठौड़ ने बताया कि राजस्थान को यह सम्मान वर्ष 2025-26 के दौरान राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन, नवाचारों और जनसहभागिता आधारित गतिविधियों के लिए प्रदान किया गया है। राज्य ने तंबाकू नियंत्रण के विभिन्न मानकों पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन के दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र में प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

प्रश्न पत्र लीक मामले को लेकर जयपुर में छात्रों का प्रदर्शन जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com



जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर में प्रश्न पत्र लीक मामले को लेकर बड़ी संख्या में छात्रों ने जवाहर सर्किल पर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में शामिल छात्रों और अन्य युवाओं ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे, जंतर-मंतर पर प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज करने वाले दिल्ली पुलिस के कर्मियों के खिलाफ कार्यवाई तथा प्रतियोगी परीक्षाओं को अधिक पारदर्शी बनाने के लिए व्यापक सुधारों की मांग की। इस प्रदर्शन में बड़ी संख्या में छात्रों और युवतियों भी शामिल हुईं। प्रदर्शनकारी बृहस्पतिवार शाम जवाहर सर्किल पर एकत्र हुए और धरने पर बैठ गए। इस दौरान उन्होंने केंद्र और राजस्थान सरकार के खिलाफ नारेबाजी की तथा बेनर और तख्तियां लेकर विरोध जताया। यह प्रदर्शन शुक्रवार को भी जारी रहा।

प्रदर्शनकारियों ने राजस्थान में पारदर्शी तरीके से भर्ती परीक्षा प्रणाली लागू करने, प्रश्न पत्र लीक की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए कड़े उपाय करने तथा कोविंग संस्थानों की फीस और उनके कामकाज को विनियमित करने की मांग की। बृहस्पतिवार रात पुलिस अधिकारी प्रदर्शन स्थल पर पहुंचे और प्रदर्शनकारियों से धरना समाप्त कर घर लौटने की अपील की, लेकिन उन्होंने अपना विरोध जारी रखा। प्रदर्शन के भर्ती परीक्षा कथित तौर पर चाकू लेकर भीड़ में घुस आया। प्रदर्शनकारियों ने उसे पकड़ लिया और पुलिस के हवाले करने से पहले उसके साथ कथित रूप से मारपीट की। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि क्षेत्र में शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है।

सच पर बुलडोजर चला रहे हैं मुख्यमंत्री : अशोक गहलोत



दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने प्रश्नपत्र लीक के मामले को लेकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के दावों पर शुक्रवार को पलटवार करते हुए आरोप लगाया कि राज्य सरकार 'सच पर बुलडोजर' चला रही है और शिकायतों की निष्पक्ष जांच नहीं होने दे रही है। गहलोत ने एक बयान में कहा, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा दावा करते हैं कि करीब तीन साल में एक भी प्रश्नपत्र लीक नहीं हुआ। उन्हें कहना चाहिए कि हमने एक भी शिकायत की निष्पक्ष जांच नहीं होने दी जिससे सच सामने न आ जाए।

शर्मा ने बृहस्पतिवार को एक कार्यक्रम में कहा था कि राज्य सरकार ने प्रश्न पत्र लीक माफिया के साथ खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए 450 से अधिक आरोपियों को सलाखों के पीछे पहुंचाया है और भर्ती परीक्षाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित की है। उनके इस दावे के बाद गहलोत ने कहा, मुख्यमंत्री को याद करना चाहिए कि देश की सबसे बड़ी परीक्षा नीट-यूजी के प्रश्न पत्र लीक का 'केंद्र' आपके राज में राजस्थान बना और लाखों बच्चों को दोसरा परीक्षा देनी पड़ी। राजस्थान की भाजपा सरकार और पुलिस ने

तो प्रश्न पत्र लीक की शिकायत को छिपाया। जब राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) को विद्यार्थियों ने सीधी शिकायत दी तब जाकर प्रश्न पत्र लीक का पता चला।

पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत ने आरोप लगाया कि झुंझुनूं के नवलगढ़ में आरएसएस (राजस्थान प्रशासनिक सेवा) का प्रश्नपत्र खुले लिफाफे में मिला। प्राध्यापक भर्ती का प्रश्नपत्र खुली सील के साथ पहुंचा। जैसलमेर के स्वामी विवेकानंद मॉडल स्कूल सेंटर पर एलडीसी (कनिष्ठ लिपिक) भर्ती में परीक्षा केंद्र से खिड़की से प्रश्नपत्र बाहर भेजकर नकल कराई गयी। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि जयपुर स्थित आरएसएसबी (राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड) का कर्मचारी 'ओएमआर शीट' बदलकर घोटाला करता पकड़ा गया, लेकिन यह आजतक पता नहीं चला कि उसने कितनी परीक्षाओं में बेईमानी की।

गहलोत ने कहा, हर बार आपकी सरकार का एक ही काम रहा, सच पर पर्दा डालना। आपने अपने कार्यकाल की परीक्षाओं की निष्पक्ष जांच न करवाने की कसम खा रखी है, क्योंकि जांच हुई तो 'एक भी लीक नहीं' के झूठ के परखच्चे उड़ जाएंगे। गहलोत ने आरोप लगाया, 2013 से 2018 के बीच भाजपा सरकार में 12 प्रश्नपत्र लीक हुए, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई और प्रश्नपत्र लीक माफिया को पोषित करने का पाप भाजपा सरकार ने किया। उन्होंने दावा किया कि राज्य में उनकी अगुवाई वाली कांग्रेस सरकार ने प्रश्नपत्र लीक माफिया के खिलाफ सख्त कार्रवाई की थी। उन्होंने कहा, 400 से अधिक गिरफ्तारियां की गईं, माफिया की संपत्तियों पर बुलडोजर चलाया गया, राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) के एक सदस्य को जेल भेजा गया और बोर्ड के अध्यक्ष को बर्खास्त किया गया। इसके अलावा, आजीवन कारावास, 10 करोड़ रुपये तक के जुर्माने और संपत्ति जब्त करने का प्रावधान वाला देश का सबसे सख्त कानून बनाया गया। आज जो भी कार्रवाई होती दिख रही है, वह कांग्रेस सरकार द्वारा बनाए गए इसी कानून के तहत हो रही है। गहलोत ने कटाक्ष करते हुए कहा, फर्क साफ है।

राजनीतिक दलों के पदाधिकारी भी बन सकेंगे सीएलजी के सदस्य

जयपुर। राजस्थान की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने पुलिस नियमों में संशोधन कर राजनीतिक दलों और उनसे संबद्ध संगठनों के सदस्यों को सामुदायिक संपर्क समूह (सीएलजी) का सदस्य बनने की अनुमति दे दी है। सीएलजी पुलिस को खुफिया जानकारी जुटाने, अपराध की रोकथाम और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करता है। इस संशोधन के तहत उस प्रावधान को हटा दिया गया है, जिसके तहत राजनीतिक दलों या उनसे संबद्ध संगठनों के सदस्य सीएलजी में शामिल होने के पात्र नहीं थे। राजस्थान पुलिस नियम, 2008 के नियम के उपनियम (5) के खंड (सी) को हटाने संबंधी राजपत्र अधिसूचना 20 जुलाई को जारी की गई। अधिसूचना के अनुसार, राजनीतिक दल या उससे संबद्ध संगठन के सदस्य को सीएलजी की सदस्यता के लिए अयोग्य ठहराने वाले प्रावधान को हटा दिया गया है।

अपराधिक मामले का सामना कर रहा व्यक्ति, अपराधिक गतिविधियों में संलिप्त होने का संदेह रखने वाला अथवा अपराधियों से संबंध रखने वाला व्यक्ति, या संपत्ति, भूमि अथवा अन्य वित्तीय विवादों में शामिल व्यक्ति सीएलजी का सदस्य बनने के लिए अब भी अयोग्य रहेगा।



राजस्थान में बारिश का दौर जारी, कई जगह भारी वर्षा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। दक्षिण पश्चिम मानसून के असर से राजस्थान में बारिश का दौर जारी है जहां बीते चौबीस घंटे में कई जगह मध्यम से भारी बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार आज भी राज्य में कई जगह भारी बारिश हो सकती है। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार शुक्रवार सुबह तक के चौबीस घंटे में राजस्थान में कई जगह मध्यम से भारी बारिश हुई। सबसे अधिक 90 मिलीमीटर (भारी) बारिश बाड़मेर के पंचपदरा

में दर्ज की गई। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार राज्य के अधिकांश भागों में आगामी कुछ दिन मानसून सक्रिय रहेगा।

आज शुक्रवार को अजमेर, कोटा, जोधपुर व उदयपुर संभाग में मध्यम से भारी बारिश व कहीं-कहीं अत्यंत भारी बारिश हो सकती है। कई जयपुर, भरतपुर व बीकानेर संभाग के कुछ भागों में भी हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। दक्षिण पश्चिमी व दक्षिणी राजस्थान के कुछ भागों में मध्यम से भारी बारिश की गतिविधियां 25 जुलाई को भी होंगी जबकि बाकी हिस्सों में हल्की मध्यम बारिश होने की पूरी संभावना है।

नरवर किले से चोरी हुई 400 साल पुरानी तोप की तलाश में राजस्थान-मध्यप्रदेश पुलिस का संयुक्त अभियान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान और मध्यप्रदेश पुलिस की संयुक्त टीम ने नरवर किले से चोरी हुई तोप की तलाश में राजस्थान के करौली जिले में व्यापक तलाशी अभियान चलाया। अधिकारियों ने बताया कि करीब 400 वर्ष पुरानी और 3.5 टन वजन की यह तोप पिछले सप्ताह मध्यप्रदेश के शिवपुरी जिले में स्थित नरवर किले से चोरी हो गई थी।

करौली पुलिस ने हालांकि शुक्रवार को बताया कि अब तक इस अभियान में कोई सफलता नहीं मिली है। करौली के सदर थाना प्रभारी गिरिज प्रसाद ने कहा, ऐसी सूचना मिली थी कि तोप को नरवर किले से करीब 250 किलोमीटर दूर करौली

जिले के गांवड़ी मीणा गांव लाया गया है। इसी सूचना के आधार पर गांव में तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। प्रारंभिक जांच के अनुसार, कुछ लोग पिछले सप्ताह एक वाहन से नरवर किले के पिछले हिस्से में पहुंचे और वहां रखी 3,500 किलोग्राम वजन की तोप चोरी कर ले गए। करौली के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सत्येंद्र पाल सिंह ने बताया कि मध्यप्रदेश पुलिस ने जांच में सहयोग मांगा था।

उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, हम मामले की जांच कर रही मध्यप्रदेश पुलिस की टीम की सहायता कर रहे हैं। चार-पांच स्थानों पर खुदाई कराई गई, लेकिन अभी तक कोई सुरांग नहीं मिला है।

पुलिस को आशंका है कि चोरों ने तोप को जमीन में गाड़ दिया हो सकता है। इसी आशंका

के महेनजर करौली जिले में कई स्थानों पर एक्सकेवेटर मशीनों से खुदाई कराई गई। तलाशी अभियान में मदद के लिए भरतपुर से भूमिगत धातु का पता लगाने वाले उपकरण (अंडराउंड मेटल डिटेक्टर) से तैल एक विशेष टीम को भी बुलाया गया है। अधिकारियों के अनुसार, अभियान के लिए 50 से अधिक पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है तथा गांव और उसके आसपास सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। थाना प्रभारी ने बताया कि जहां भी खुदाई के निशान दिखाई दे रहे हैं, उन सभी स्थानों की जांच की जा रही है। मध्यप्रदेश पुलिस को आशंका है कि यदि चोरी हुई तोप शीघ्र बरामद नहीं की गई तो वह प्राचीन कलाकृतियों की तस्करी करने वाले किसी संगठित गिरोह के हाथ लग सकती है।

पीएम सेतु के क्रियान्वयन में उत्तर भारत का पहला एवं देश का पाँचवां राज्य बना राजस्थान

जयपुर। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के रिकल इंडिया मिशन एवं विकसित भारत-2047 के संकल्प के अनुसरण राज्य सरकार देश के राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) को आधुनिक तकनीक, उद्योग सहभागिता एवं गुणवत्तापूर्ण कौशल प्रशिक्षण से सशक्त बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। इसी क्रम में केंद्र सरकार के कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय की महत्वाकांक्षी पीएम सेतु योजना के प्रभावी क्रियान्वयन में राजस्थान ने महत्वपूर्ण

उपलब्धि हासिल करते हुए उत्तर भारत का पहला तथा देश का पाँचवां राज्य बनने का गौरव प्राप्त किया है। योजना के अंतर्गत राजस्थान में भिवाड़ी, जोधपुर, जयपुर, बालोतरा, बांसवाड़ा, भरतपुर, बीकानेर एवं कोटा सहित आठ क्लस्टरों के लिए प्रस्ताव आमंत्रित किए गए थे। इनमें भिवाड़ी क्लस्टर के लिए एम/एस एच.सी. इंफ्रा इंजीनियरिंग लिमिटेड के प्रस्ताव को शुक्रवार का मुख्य सचिव की अध्यक्षता में आयोजित स्टेट स्टीयरिंग कमेटी की बैठक में अनुमोदन किया गया।

शिवकुमार ने नीट प्रश्नपत्र लीक मामले पर चुप्पी तोड़ने के लिए मोदी का धन्यवाद किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने शुक्रवार को राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (नीट) प्रश्नपत्र लीक मामले पर आखिरकार अपनी बात रखने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का धन्यवाद किया। शिवकुमार ने साथ ही इस मुद्दे पर इतने लंबे समय तक कथित रूप से चुप रहने को लेकर

मोदी पर निशाना भी साधा।
मुख्यमंत्री ने मोदी के उस
बयान पर प्रतिक्रिया दी जिसमें
प्रधानमंत्री ने बृहत्पत्तिवार को कहा
था कि प्रश्नपर लीक के खिलाफ
सख्त प्रावधानों वाला एक विधेयक
अगले सप्ताह संसद में पेश किया
जाएगा। मोदी ने एक वीडियो संदेश
में यह भी कहा था कि इस विधेयक
के प्रावधानों पर शुक्रवार को होने
वाली केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में
चर्चा की जाएगी, जहां प्रस्ताव दिया
कानून को अंतिम रूप दिया

जाएगा।

शिवकुमार ने यहां पत्रकारों से बातचीत में कहा, "मैं बहुत खुश हूं कि कम से कम उन्होंने (प्रधानमंत्री ने) अब अपनी बात रखी है। करीब पंद्रह दिन या एक महीने बाद उन्होंने इस मुद्दे पर बात की है। यह महत्वपूर्ण है। हम सभी अपने बच्चों और युवाओं के भविष्य के लिए काम करते हैं। कम से कम अब उन्होंने पूरे देश के सामने अपनी बात रखी है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री का धन्यवाद।"

मेकेदातु बांध विवाद पर हम हर किसी से बात करने और मिलकर काम करने के लिए तैयार : शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूर। मेकेदातु में कावेरी नदी पर बना बांध बनाने के कर्नाटक के प्रस्ताव पर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के साथ संघटित बैठक की खबरों के बीच, मुम्बईमंत्री डी. के. शिवकुमार ने कहा कि उनकी सरकार सभी से बातचीत करने, बातें साझा करने और मिलकर काम करने के लिए तैयार है। जब शिवकुमार से प्रस्तावित बैठक के विवरण के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कोई भी राजकार्मी साझा करने से मना कर दिया। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, तमिलनाडु की ओर से बहुत का अनुरोध किया गया।

इसके जन्म में शिवकुमार ने विजय को बैंगलूर में बाचीटी के लिए आमंत्रित किया है जो संभावित रूप से तीन अगस्त के लिए निर्धारित है। हालांकि, सूत्रों का कहना है कि अभी तक इस बात की पुष्टि नहीं हुई है कि विजय ने इस निर्मलन को स्वीकार किया है या नहीं।

संवाददाताओं के सवालों का जवाब देते हुए शिवकुमार ने कहा, 'मैं अभी कुछ भी सार्वजनिक तौर पर नहीं कहना चाहता। अभी हमारे कैबिनेट विस्तार और अन्य मामलों को लेकर मैं काफी व्यस्त रहूंगा। हम हर किसी से बात करने, चीजें साझा करने और मिलकर काम करने के लिए तैयार हैं।' तमिलनाडु इस मेकअप परियोजना का लगातार बड़ा विरोध कर रहा है।



मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने बेंगलूरु से परे बुनियादी ढांचा विकास योजना पेश की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक के मुख्यमंत्री जी. के. शिवकुमार ने शुक्रवार को बेंगलूरु से परे विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचे का विस्तार करने, उद्योग की भागीदारी से एक एआई विश्वविद्यालय स्थापित करने तथा प्रौद्योगिकी पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के लिए नई नीतियां लागू करने की योजना की घोषणा की। उन्होंने उद्योग जगत के नेताओं से राज्य के विकास के अगले चरण को आकार देने में सरकार के साथ साझेदारी करने का भी आह्वान किया।

मुख्यमंत्री ने मुख्य कार्यकारी अधिकारियों के साथ आयोजित बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि बेंगलूरु की सबसे बड़ी ताकत उसकी प्रतिभा और नवाचार है।

माहौल है। उन्होंने भारत की प्रायोगिकी राजधानी के रूप में शहर की सफलता का श्रेय यहां के लोगों और कंपनियों को भी दिया।

उन्होंने उद्योग जात के नेताओं से कहा, “आप बैंगलूर के दूत हैं।” आप कर्नाटक के दूत हैं।” उन्होंने कहा कि कई लोग दशकों पहले इस शहर में आए थे, लेकिन यहां उपन्यस्त अवसरों और प्रथिमा के कारण यहीं रहना चुना। बैठक में सूचना प्रायोगिकी तथा गृह मंत्रिी प्रसन्न खुरो, विधायाक एवं कर्नाटक राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम लिमिटेड (केईओएनआईसीएल) के अध्यक्ष शिरीय बार्गे मौजूद, बायोकांन संस्थापक शिरीय गौड़ा, नयाकांन-शॉ, इन्फोमिस के सह-संस्थापक क्रिस गोपालकृष्णन तथा वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। शिरीयकुमार ने कर्नाटक के आर्थिक प्रदर्शन का उल्लेख करते हुए कहा कि सॉफ्टवेयर निर्यात 4.36 लाख करोड़ रुपये के पार

पहुंच गया है और इस वर्ष इसके 5.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक होने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री को घोषणा की कि अगले 100 दिन के भीतर सरकार ऐसी नीति लाएगी, जिसके तहत उद्योगों को बेंगलूर से बाहर भी अपनी इकाइयाँ स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इसके तहत कर्नाटक के अन्य शहरों में अत्यंत किफायती दरों पर विश्वस्तरीय कार्यालय अवसरचना उपलब्ध कराई जाएगी। शिवकुमार ने कहा कि कर्नाटक उद्योग जगत के सहयोग से एक एआई विश्वविद्यालय की स्थापना कर रहा है। उन्होंने कहा, कल इस पहल को लेकर गूलर के साथ हमारी विस्तृत चर्चा हुई। हम नहीं चाहते कि केवल सरकार ही इसे बनाए। हम उद्योग के साथ साझेदारी चाहते हैं। आप नेतृत्व करेंगे और सरकार आपके साथ खड़ी रहेगी।

मंत्री प्रियंक खरगे ने नीट मुद्दे पर प्रधानमंत्री के देर से आये जवाब पर सवाल खड़ा किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बंगलूरु। कर्नाटक के गृह मंत्री प्रियंक खरगे ने राष्ट्रीय पास्ता-सल्लाख परेशनी (नीट) में कथित गड़बड़ियों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के देर से आये जवाब पर शुक्रवार को सवाल उठाते हुए कहा कि विद्यार्थी केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मप्रधान को हटाने की शानग मंत्री घरेलू हैं, न कि महज आक्षासन। केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक से पहले विद्यार्थियों के लिए जारी किये गये प्रधानमंत्री के वीडियो संदेश पर प्रियंक खरगे ने कहा कि केंद्र सरकार कोई ठोस कदम उठाने की घोषणा करने में विफल रही है।

उन्होंने सरकार पर जवाबदेही की मांग को नजरअंदाज करने का आरोप लगाया।

कांग्रेस अध्यक्ष मलिककाजुन खरगे से के बड़े प्रियख खरगे ने पकाराया से कहा, 'आगर वह इतना ही जरूरी था, तो उन्हें बोलने में इतना समय क्यों लगा? अगर प्रधानमंत्री वीर्ययो को आकर वह कहते कि मैं धर्मप्रधान को अपने मर्मिन्दल से बाहर कर रहा हूँ, तो वह इतना बहुत आश्चर्य होता, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। मांग सीधी है।' धर्मप्रधान को मर्मिन्दल से जवाब चाहिए।' केंद्रीय शिक्षा मंत्री के पद पर बने रहने पर सवाल उठाते हुए कर्नाटक के गुहनीजी ने कहा, 'धर्मप्रधान इतने जरूरी क्यों? उनके पास मोदी या शाह



के कौन से राज हैं? उनके पास कांग्रेस का मज़ाक उड़ाने के लिए तो काफ़ी समय है, लेकिन जब विद्यार्थियों के भविष्य की बात आती है, तो उन्होंने ऐसी कौन सी ठोस बात कही?"

केंद्र के प्रस्तावित उपायों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, "उन्होंने (प्रधानमंत्री ने) कहा कि वह एक त्वरित अदालत बनायेंगे, और हा आ क्या? मुख्य आरोपी को

उसी दिन छोड़ दिया गया। बच्चे किस तरह के न्याय की उम्मीद कर सकते हैं? इसलिफ मुझे लगता है कि यह कोई ठोस कदम नहीं है, यह कहनी नहीं है।" प्रदर्शन कर रहे विद्यार्थियों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई पर प्रियंक खरगे ने केंद्र पर असहमति की आवाज दबाने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया, "सरकार डरी हुई है। आज देश की ओर सबने बड़े डरपोक हमारे बच्चों और प्रधानमन्त्री हैं। वे गुहारे बच्चों के साथ ऐसा ही कर रहे हैं।"

उन्होंने कहा कि छात्र किसी आर्थिक फ़ायदे के लिए प्रदर्शन नहीं कर रहे थे, बल्कि सुधार और जवाबदेही की मांग कर रहे थे। उन्होंने कहा, “वे शिक्षा में सुधार की मांग कर रहे हैं। वे उस व्यक्ति

का इस्तीफा मांग रहे हैं जो उनके भविष्य को खराब करने के लिए जिम्मेदार है।” अत्यधिक बल प्रयोग का आरोप लगाते हुए प्रियंक खखरे ने कहा, “वे प्लास्टिक की गोणियों (पैलेट्स) और आंसू गैस का इस्तेमाल कर रहे हैं तथा विद्यार्थियों पर हमला करने के लिए सामान्य कपड़ों में भाजपा और आरएसएस के लोगों का इस्तेमाल कर रहे हैं। क्या यह कायरतापूर्ण नहीं है?”

भारतीय सामानों पर अमेरिका द्वारा नए शुल्क लगाये जाने के बारे में पूछे गए एक अन्य सवाल का जवाब देते हुए, मंत्री ने आरोप लगाया कि भारत की विदेश नीति अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर निर्भर हो गई है।

एशियाई खेलों के लिए चुनी गई सिंधुश्री को जी परमेश्वर ने दिए अंतरराष्ट्रीय मानक के पोल

बेंगलूरु/भाषा। राष्ट्रीय स्तर पर पोल वॉल्ट में शानदार प्रदर्शन के बूते जापान में होने वाले एशियाई खेलों के लिए भारतीय दल में चुनी गयी सिंधुश्री गणेशी को कान्टक के उपमुख्यमंत्री जी परमेश्वर ने शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय मानक के तीन पोल दिए। राजस्थ एवं खेल मंत्री का भी दायित्व संभाल रहे परमेश्वर ने सिंधुश्री को प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल प्रदर्शन की कामना की। परमेश्वर ने प्रकाशों से कहा कि शिवमोगा जिले के भद्रावती की रहने वाली सिंधुश्री ने पोल वॉल्ट में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल की हैं।

नए नए पोल मंगवाए हैं। इनका अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रचारित किया जाता है। इस सरकार उन्हे पांच लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि भी देती है।” परमेश्वर ने बताया कि तुम्हें भी पिता गुरुजी दिखाड़ी जन्मदू थे। उन्होंने अपनी बेटी खिलाड़ी बनाने का सपना खाया और उसके प्रशिक्षण के लिए हरसंभव प्रयास किए। उन्होंने कहा, “उन्हे पिता निधन हो गया है। उनकी मां रेल सहचिका के रूप में काम करती रही और अपनी बेटी का गंगातर होला बढ़ाती रही। मैं गंगाधर परिवार से आने वाली स प्रतिभाशाली खिलाड़ी है भकमानाएं देता हूं। उम्मीद है वह एशियाई खेलों में शानदार दर्शन कर देश के लिए पदक देतींगी और कर्नाटक का गौरव बढ़ाएंगी।”

[illegible]

रेलवे हाई स्कूल में 'सामुदायिक वेदी' कार्यक्रम

जीवन में भाषा ज्ञान की भूमिका और उपयोगिता को समझाया

हुब्बली/दक्षिण भारत। दक्षिण पश्चिम रेलवे के हुब्बल्ली मंडल ने गुरुवार को गदग रोड स्थित रेलवे इंग्लिश मीडियम हाई स्कूल में 'सामुदायिक वेदी' (कम्युनिटी फोरम) कार्यक्रम का आयोजन किया।

इसकी अध्यक्षता अपर मंडल
रेल प्रबंधक एवं अपर मुख्य
राजभाषा अधिकारी प्रेमचंद्र ने की।
उन्होंने अपने संबोधन में सामाजिक
और व्यावसायिक जीवन में
सफलता के लिए बहुभाषी ज्ञान के
महत्व पर बात दिया। उन्होंने दैनिक
जीवन में भाषा ज्ञान की भूमिका
और उपयोगिता को समझाया।
उन्होंने राजभाषा हिंदी के ज्ञान के
कई लाभों का उल्लेख करते हुए
बताया कि यह न केवल एक ऐसी
भाषा है, जो देश के अन्य क्षेत्रों के
मित्रों, सहयोगियों और सहकर्मियों
के साथ आसानी से संवाद करने

और जुड़ने में मदद करती है, बल्कि खेल, संस्कृति, पर्यटन और ज्ञान के आदान-प्रदान जैसे विभिन्न रूपों में देश को जानने और समझने में भी सक्षम बनाती है।
 विशिष्ट अतिथि एवं प्रसिद्ध कन्नड़ साहित्यकार तथा मंडल कार्यात्मक अधिकारी (डीपीओ) सीएम मुनिस्वामी ने विद्यार्थियों के साथ साहित्यिक अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा कि एक लेखक उच्छृंखल साहित्य का सृजन तभी कर सकता है, जब उसे कई भाषाओं का ज्ञान हो।

अपने समय के अंडर-19 श्रेणी के प्रसिद्ध अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर अनंत भागवत तथा राष्ट्रीय स्तर के एथलीट बसवराज एमके, जो वर्तमान में दपरे खेल संघ के प्रमुख सदस्य हैं, ने विद्यार्थियों के साथ बातचीत की और खेल जगत के अपने समृद्ध अनुभव

साझा किए। उन्होंने विद्यार्थियों को सर्वांगीण विकास के लिए खेलकूद और पाठ्येतर गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया।

हाई स्कूल के प्राचार्य ई नागप्पा ने अतिथियों और खिलाड़ियों का स्वागत किया तथा भाषा, खेल और कर्नाटक की समृद्ध संस्कृति के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम का संचालन महबूब नाइकर ने किया। अंजुम होराकेरी ने समापन टिप्पणी की। कार्यक्रम के आयोजन में हुब्ली मंडल के राजभाषा विभाग के वरिष्ठ अनुवादक राजे नदाफ, वरिष्ठ अनुवादक जीआर नारायणद्री, कनिष्ठ अनुवादक मोहम्मद सलीम और शरीरिक शिक्षा शिक्षक महारुद्रप्पा बल्लारी ने प्रमुख भूमिका निभाई।

**वर्षा जलसंचयन के लिए दपरे
और रोटरी इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट
319 के बीच समझौता**

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। दक्षिण
पश्चिम रेलवे ने इंदूर-नेशनल
लिफ्टिङ्ग २०१९ के सहयोग से शहर
के क्रांतिवीर संगोली रायनरा रेलवे
स्टेशन पर वर्षा ७५ लाख लीटर
पानी बचाने का बीड़ा उठाया है। इस
परियोजना का उद्देश्य प्रति बच पानी
की लागत में लगभग एक करोड़
रुपये की बचत करना है। दक्षिण
पश्चिम रेलवे (एचरे) के बेंगलूरु
डिविजन के अतिरिक्त मंडल
प्रबंधक प्रवीण कटारकी और रेलवे
इंजिनियर नल्लिद्रिड ३१९१ के
जिला गवर्नर डॉ. अजित गुप्ता ने
दक्षिण पश्चिम रेलवे के बेंगलूरु

डिबीजन के मंडल रेलवे प्रबंधक (डीआरएम) आशुतोष कुमार सिंह ने एक उपस्थिति में समझौते पर हस्ताक्षर किए। बाद में बोले थे, 'आशुतोष कुमार सिंह ने कहा, हमने रोहताड़-इटनरेशनल डिस्ट्रिक्ट 3191 के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।' (रेलवे द्वारा किसी भी संस्था के साथ किया गया यह पहला ऐसा समझौता है)। जुलाई, सितंबर, सितंबरआर फंड जुटाएगा, माध्यम से कई सामाजिक कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं, जिनमें संगोली रायचंद रेलवे स्टेशन पर बाग जलक संयोजन परियोजना भी शामिल है।



सांत्वना

बेंगलुरु में शुक्रवार को पद्मनाभ नगर स्थित पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा के आवास पर राज्यपाल थावरक्ष हलोलो ने दौरा किया और 18 जुलाई को निधन हो जाने वाली श्रीमती चेन्नमा देवेगौड़ा के निधन पर अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की। राज्यपाल ने एच.डी. देवेगौड़ा और शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों से मुलाकात की और इस क्षति पर गहरा दुःख व्यक्त किया। उन्होंने परिवार को सांत्वना दी और इस कठिन समय में उनके प्रति सहानुभूति प्रकट की।

 इसरो खाना	भारत सरकार, अंतरिक्ष विभाग भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (निर्माण एवं अनुरक्षण प्रभाग) इसरो टेलिमेट्रि टैकिंग एवं कमांड नेटवर्क (इस्ट्रेक) प्लाट नं. 12 एवं 13, तीसरा मेन, क्षितिज फेज, पीथ्या औद्योगिक क्षेत्र, बंगलूर-560058 फोन : 080-28094196, 4184, 4541, 4542 फैक्स : 080-28094180
संक्षिप्त ई-निविदा सूचना	
1. भारत के राष्ट्रपति की ओर से, समुचित वर्ग के देकेदारों से निम्नलिखित कार्यों के लिए नगर ई-निविदाएं ऑनलाइन आमंत्रित आमंत्रित की जाती हैं।	इस्ट्रेक/सीएमजी/एमएआईएनटी/सी/ईटीएन-58 / 2026-27 दिनांक 24.07.2026
एनआईटी सं	एमओएक्स परिसर, इस्ट्रेक, बंगलूर में एमओएक्स-1 और एमओएक्स-2 इमारतों की अंदरूनी और बाहरी सतहों की पेंटिंग का कार्य (सिविल कार्य)
कार्य का नाम	एमओएक्स परिसर, इस्ट्रेक, बंगलूर में एमओएक्स-1 और एमओएक्स-2 इमारतों की अंदरूनी और बाहरी सतहों की पेंटिंग का कार्य (सिविल कार्य)
निविदा का अनुमानित मूल्य	रु. 72.50 लाख
निविदा दर्तावेज विवरण	ई-निविदा
कार्य समापन अवधि	04 (चार) महीने
निविदा प्रलेख डाउनलोड करने की अवधि	27.07.2026 को 14.30 बजे से 17.08.2026 को 16.30 बजे तक
बोली स्पष्टीकरण	27.07.2026 को 15.30 बजे से 18.08.2026 को 16.30 बजे तक
बोली स्पष्टीकरण के जवाब देने की अंतिम तारीख	19.08.2026 को 16.30 बजे तक
निविदा प्राप्ति की अंतिम तारीख और समय	20.08.2026 को 14.30 बजे तक
निविदा खोलने की नियत तारीख और समय	21.08.2026 को 11.30 बजे के बाद
अग्रदाय रकम जमा (ईएमडी)	रु. 1,45,000/-
पात्रता मानदंड और दूसरी जानकारी के लिए, इच्छुक निविदाकार कृपया वेबसाइट www.isro.gov.in/Tenders.html पर टेंडर इन्फार्मेशन का विस्तृत विभागी (हिंदी - अंग्रेजी) नोटिस (NIT) देख सकते हैं और टेंडर की में देख सकते हैं https://www.tenderwizard.com/SRO पर ! ह/ - समूह प्रमुख - सीएमजी	

सुविचार

क्रोध निर्णय शक्ति को कमजोर करता है। शांत मन से लिया गया निर्णय, अधिक सही होता है। संयम रखें, संबंध मजबूत बनेंगे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

पेपर लीक पर सख्त कानून जरूरी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पेपर लीक की घटनाओं पर रोक लगाने और दोषियों को दंडित करने के लिए संसद में विधेयक लाने के संबंध में जो घोषणा की है, उसमें छात्रहितों का बहुत ध्यान रखा गया है। देश में ऐसा कानून बनने के बाद पेपर लीक में लिप्त लोग यह कृत्य करने से पहले हजार बार सोचेंगे। जो पेपर लीक करते हैं, वे उसे बेचकर मोटा मुनाफा कमाते हैं। अब केंद्र सरकार जो कदम उठाने जा रही है, उससे ऐसे लोग हतोत्साहित होंगे, क्योंकि अपराध करने के बाद उन्हें जेल और जुर्माने से दिन में तारे नजर आएंगे। पेपर लीक सिर्फ अपराध नहीं है। यह घोर पाप है। जो विद्यार्थी दिन-रात मेहनत करते हैं, उनके हक पर डाका डालने का नाम है- पेपर लीक। सरकार को परीक्षा प्रणाली की पवित्रता और विश्वसनीयता कायम रखने के लिए हर संभव कदम उठाना चाहिए। किसी भी विद्यार्थी के साथ अन्याय नहीं होना चाहिए। कड़ी मेहनत करने के बाद जब पता चलता है कि किसी को परीक्षा से पहले ही पेपर मिल गया था, तो वह खबर वज्रपात की तरह लगती है। इससे मेहनती बच्चों की हिम्मत टूटती है और उन लोगों के हौसले बंदते हैं, जो पैसे, पद और पहचान की धौंस जमाते हैं। अगर कोई व्यक्ति अयोग्य है, लेकिन वह पेपर लीक के दम पर डॉक्टर बन गया तो भविष्य में क्या करेगा? वह निश्चित रूप से लोगों को मारेगा! ऐसा व्यक्ति इंजीनियर बनकर व्यवस्था का नाश करेगा और दूसरों का जीवन घोर संकट में डालेगा। पेपर लीक पहले भी होते थे, लेकिन तब आसानी से पता नहीं चलता था। अब सोशल मीडिया पर ऐसी सामग्री तेजी से प्रसारित होती है, जिससे जल्द ही भेद खुल जाता है।

नीट पेपर लीक का मामला सामने आने के बाद दिल्ली में जिस तरह हंगामा खड़ा किया गया, उसे मामूली विरोध प्रदर्शन समझकर खारिज न करें। इसके पीछे निश्चित रूप से विदेशी शक्तियों का हाथ है। स्वार्थी तत्वों की फोंडिग है। सीजेपी के रूप में जो लोग इसे आगे बढ़ा रहे हैं, उनकी राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं हैं। कथित आंदोलन में असामाजिक तत्वों का प्रवेश हो गया है। छात्रों के कुछ मुद्दे हो सकते हैं, लेकिन यह पूरी तरह छात्र-केंद्रित मामला नहीं है। वास्तव में, लोगों की कुछ कुंठाएं भी हैं, जिन्हें सीजेपी वाले भुनाने की कोशिश कर रहे हैं। अब तो विपक्षी दल इसमें कूद पड़े हैं। देशवासियों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बहुत उम्मीदें हैं। लगातार तीसरी बार सत्ता में वापसी इसका प्रमाण है। इस अवधि में देश में कई काम बहुत अच्छे हुए हैं। सेवाओं का डिजिटलीकरण, लाखों शौचालयों का निर्माण, मजबूत सुरक्षा व्यवस्था, आतंकवाद को करारा जवाब, बेहतर परिवहन सुविधाएं, अंतरिक्ष अनुसंधान, ग्रामोत्थान, कोरोना महामारी पर विजय जैसी उपलब्धियों पर सबको गर्व होता है। पश्चिम एशिया में अशांति के बावजूद केंद्र सरकार ने भारत में ईंधन की किल्लत नहीं होने दी। वहीं, आम आदमी कुछ समस्याओं से बहुत परेशान है। शिक्षा बहुत महंगी हो गई है। सरकारी स्कूलों की हालत में कोई खास सुधार नहीं आया है। सरकारी अस्पतालों में सुविधाओं का अभाव है। सरकारी दफ्तरों में घूबसूबरी का रोग बढ़ता ही जा रहा है। आम आदमी के लिए पुलिस का रवैया कैसा है, यह बताने की जरूरत नहीं है। युवाओं के पास ऐसा कोई हुनर नहीं है, जिससे वे कमाई कर सकें। उनके मन में यह बात दुबता से बैठी हुई है कि 'हमें तो पढ़-लिखकर सिर्फ सरकारी नौकरी करनी है।' जब ये लोग देखते हैं कि नेता और अधिकारी भरपूर सुविधाओं का उपभोग कर रहे हैं, उनके बच्चे विदेशों में पढ़ रहे हैं, विदेशों में छुट्टियों का लुत्फ उठा रहे हैं तो मन में कुंठा पैदा होती है। कुछ शांतिर दिमाग उसे अपने फायदे के लिए इस्तेमाल करना जानते हैं। वे देर-सबेर भीड़ जुटा लेते हैं। जंतर-मंतर पर लगे जमावड़े में ज्यादातर लोगों का नीट से दूर-दूर तक कोई संबंध नहीं है, लेकिन उनके मन में छिपी कुंठा उन्हें वहां ले आई। बाकी काम शांतिर दिमागों ने कर दिया। केंद्र सरकार को धरातल पर ठोस सुधार करने होंगे।

ट्वीटर टॉक

भारत की ग्रोथ की कहानी उसके लोगों की उम्मीदों से लिखी जा रही है, और कर्नाटक को इसके सबसे मजबूत हिस्सों में से एक होने पर गर्व है। मेरा मानना है कि दक्षिण भारत भारत की ग्रोथ को बढ़ाने वाले मुख्य इंजनों में से एक के तौर पर उभरा है।

डीके शिवकुमार

आप सभी देश की उम्मीदें और 1.4 अरब देशवासियों की शुभकामनाएं लेकर मैदान में उतर रहे हैं। देश के हर नागरिक का प्यार, भरोसा आपके साथ है। आपकी हर कोशिश पर पूरे देश की उम्मीदें टिकी हैं। मुझे पूरा भरोसा है कि अपनी कड़ी मेहनत से आप भारत का नाम रोशन करेंगे।

भजनलाल शर्मा

उन अमर वीरों की गाथा जिन्होंने कारगिल की दुर्गम पहाड़ी चोटियों पर मुक्किल हालात और खराब मौसम के बीच, अपने बेमिसाल परकर्म, पक्के इरादे और सर्वोच्च बलिदान से मातृभूमि की एकता और संप्रभुता की रक्षा की हर भारतीय के लिए देशभक्ति, कर्तव्य और सम्पर्ण की हमेशा प्रेरणा देती है।

ओम बिरला

प्रेरक प्रसंग

सफाई से जीवन रक्षा

सन् 1847 में वियना के एक अस्पताल में डॉ. इग्नाज़ सेमेल्वाइस कार्यरत थे। उन्होंने एक विचित्र बात पर ध्यान दिया। जिस प्रसूति वार्ड में डॉक्टर प्रसव कराते थे, वहां माताओं की मृत्यु दर दूसरे वार्ड की तुलना में कहीं अधिक थी, जहां दाइयां प्रसव कराती थीं। उन्होंने कई महीनों तक कारण खोला। अंततः उन्होंने देखा कि डॉक्टर शव-परीक्षण करने के तुरंत बाद बिना हाथ अच्छी तरह साफ किए प्रसूति कक्ष में चले जाते थे। सेमेल्वाइस ने सभी डॉक्टरों के लिए क्लोरीन मिले घोल से हाथ धोना अनिवार्य कर दिया। कुछ ही महीनों में मृत्यु दर नाटकीय रूप से घट गई। उन्हें लगा कि अब सब लोग इस व्यवस्था को अपनाएंगे। लेकिन वरिष्ठ चिकित्सकों ने उनकी बात मानने से इनकार कर दिया। सेमेल्वाइस के पास आंकड़े थे, परिणाम थे, फिर भी उन्हें स्वीकार नहीं किया गया। उन्होंने अपना काम जारी रखा। वर्षों बाद विज्ञान ने सिद्ध किया कि वे सही थे। रोगाणुओं के सिद्धांत के विकसित होने पर दुनिया ने समझा कि हाथ धोना केवल सफाई नहीं, जीवन बचाने का उपाय है। आज अस्पतालों में हाथ धोना सामान्य नियम है। लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि इस साधारण आदत के पीछे एक ऐसे चिकित्सक का संघर्ष छिपा है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , 1st floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasadur Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. Editor-Shreekanth Parashar. ("Responsible for selection of news under PRB Act). Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वरीकृत, टैंडर एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी यह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पातों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता। — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सामयिक

चातुर्मास को यदि सही अर्थों में जिया जाए तो यह जीवन की दिशा और दृष्टि दोनों को पूरी तरह से बदलने की क्षमता रखता है। यह कोई थोपा गया कठोर अनुशासन नहीं है, बल्कि स्वेच्छा से स्वीकार किया गया एक आनंदमयी तप है जो मनुष्य को सोने की तरह तपाकर कुंदन बनाता है। इन चार महीनों की अवधि में अर्जित की गई सकारात्मक ऊर्जा, संयम और अनुशासन व्यक्ति को शेष आठ महीनों के कठिन जीवन संग्राम में सफलतापूर्वक टिके रहने की असीम शक्ति प्रदान करते हैं।

चातुर्मास को यदि सही अर्थों में जिया जाए तो यह जीवन की दिशा और दृष्टि दोनों को पूरी तरह से बदलने की क्षमता रखता है। यह कोई थोपा गया कठोर अनुशासन नहीं है, बल्कि स्वेच्छा से स्वीकार किया गया एक आनंदमयी तप है जो मनुष्य को सोने की तरह तपाकर कुंदन बनाता है। इन चार महीनों की अवधि में अर्जित की गई सकारात्मक ऊर्जा, संयम और अनुशासन व्यक्ति को शेष आठ महीनों के कठिन जीवन संग्राम में सफलतापूर्वक टिके रहने की असीम शक्ति प्रदान करते हैं।

महेन्द्र तिवारी

मोबाइल : 9989703240

भा

रतीय धर्म और संस्कृति में समय को केवल घड़ी की सुइयों या कैलेंडर के पन्नों से नहीं मापा जाता, बल्कि इसे चेतना के निरंतर विकास और प्रकृति के चक्र के साथ जोड़कर देखा जाता है। चातुर्मास इसी सनातन परंपरा का एक अत्यंत महत्वपूर्ण और वैज्ञानिक आधार वाला कालखंड है। आषाढ़ शुक्ल एकादशी अर्थात् देवशयनी एकादशी से लेकर कार्तिक शुक्ल एकादशी अर्थात् देवउठनी एकादशी तक के ये चार महीने केवल व्रत और उपवास के दिन नहीं हैं, बल्कि यह मनुष्य की आंतरिक यात्रा, आत्मपरिष्कार और आध्यात्मिक जागरण का एक वृहद पर्व है। धार्मिक मान्यता है कि आषाढ़ शुक्ल एकादशी के दिन भगवान श्रीहरि विष्णु क्षीरसागर में शेषनाग की शय्या पर चार मास के लिए योगनिद्रा में चले जाते हैं। भगवान के योगनिद्रा में जाने का यह प्रतीकात्मक अर्थ यह है कि अब सृष्टि के पालन का कार्य कुछ समय के लिए विश्राम की अवस्था में है और यह समय बाहरी दौड़भाग को छोड़कर अपनी भीतर की दुनिया को संयारने का है। जिस तरह भगवान विष्णु अंतर्मुखी होकर योगनिद्रा का आश्रय लेते हैं, उसी तरह साधारण मनुष्य से लेकर साधु संतों तक को इस अवधि में अपनी इंद्रियों को समेटकर अंतर्मुखी होने का निर्देश दिया गया है। यह काल हमें बताता है कि जीवन में कर्म और गति जितनी आवश्यक है, उतनी ही आवश्यक शांति और स्थिरता भी है।

चातुर्मास का आरंभ वर्षा ऋतु के साथ होता है। प्रकृति भी इस समय अपने पुराने आवरण को उतारकर नवसृजन की प्रक्रिया में मग्न होती है। ग्रीष्म ऋतु की विलम्बिलताी धूप और ताप से झुलसी हुई धरती पर जब आषाढ़ और श्रावण की फुहारें पड़ती हैं, तो चारों ओर हरियाली और जीवन का नया संचार होने लगता है। प्राचीन

काल में यातायात के साधन अत्यंत सीमित थे और वर्षा के कारण कच्ची पगड़ंडियां दुर्गम हो जाती थीं। इसलिए परिव्राजक, संन्यासी और भिक्षु जो वर्ष भर निरंतर भ्रमण करते रहते थे, वे इन चार महीनों में अपनी यात्राएं रोककर किसी एक स्थान पर ठहर जाते थे। इसी ठहराव को चातुर्मास कहा गया। एक स्थान पर रुकने का यह नियम केवल शारीरिक विश्राम के लिए नहीं था, बल्कि इसके पीछे अहिंसा का एक बहुत बड़ा दर्शन छिपा हुआ था। वर्षा ऋतु में भूमि पर अनेक प्रकार के सूक्ष्म जीव जंतु और कीड़े मकोड़े उत्पन्न हो जाते हैं। यात्रा करने से अनजाने में ही इन जीवों की हत्या होने का पाप लग सकता है। इसलिए संतों ने एक स्थान पर रुक कर मौन और तपस्या का मार्ग चुना। इस ठहराव का एक उद्देश्य यह भी था कि साधु संत समाज के बीच रहकर ज्ञान का प्रकाश फैलाएं और स्वयं की साधना को और अधिक गहरा करें।

आध्यात्मिक दृष्टिकोण के साथ साथ चातुर्मास का शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी गहरा महत्व है। आयुर्वेद के अनुसार वर्षा ऋतु में मनुष्य की पाचन शक्ति बहुत कमजोर हो जाती है और जल तथा वायु में अनेक प्रकार के सूक्ष्म जीवाणुओं का संक्रमण बढ़ जाता है। ऐसे में आहार और विहार पर कठोर नियंत्रण रखना अत्यंत आवश्यक हो जाता है। चातुर्मास के दौरान सात्विक भोजन ग्रहण करने, एक समय उपवास करने और कुछ विशेष पदार्थों के त्याग का नियम बनाया गया है। यह केवल एक अधविश्वास नहीं है बल्कि शरीर को निरोगी रखने की एक विशुद्ध वैज्ञानिक प्रक्रिया है। जब हम अपने स्वाद और भोजन की आदतों पर नियंत्रण स्थापित करते हैं, तो हमारा मन भी धीरे धीरे हमारे वश में आने लगता है। उपवास और व्रत का वास्तविक अर्थ केवल भूखा रहना नहीं है, बल्कि अपनी वृत्तियों को उप अर्थात् समीप और वास अर्थात् निवास कलना है। इसका सीधा अर्थ अपनी आत्मा के समीप निवास करना है। जब शरीर हल्का रहता है तो मन में तामसिक और राजसिक विचार कम उत्पन्न होते हैं। यही

नजरिया

नकली और एक्सपायरी दवाओं का फैला गोरखधंधा

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल : 9414441218

भा

रत में नकली, घटिया और अवैध दवाओं का धंधा तेजी से फैल रहा है, जिसकी वजह से रोगियों की जान जोखिम में है। विशेषज्ञों के मुताबिक जो दवाएं धोखाधड़ी से निर्मित या पैक की गई हैं, उन्हें नकली और घटिया दवाएं कहा जाता है क्योंकि उनमें या तो सक्रिय अवयवों की कमी होती है या गलत खुराक होती है। देश में बनने वाली अंग्रेजी दवाएं पिछले कुछ सालों से अपनी गुणवत्ता को लेकर सवाल के घेरे में हैं। देश में आये दिन घटिया, मिलावटी और नकली दवाओं के खजौरे पकड़े जा रहे हैं जो साबित करते हैं आमजन का स्वास्थ्य खतरों में है। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन के नियमित निगरानी गतिविधि के तहत जून 26 के ड्रा अलर्ट में देशभर की 159 दवाएं एवं कार्बोसिक सेंपल फेल हुए हैं। इनमें 132 सेंपल राज्य औषधि परीक्षण प्रयोगशालाओं तथा 27 केंद्रीय प्रयोगशालाओं की जांच में गुणवत्ता की कसौटी पर खरे नहीं उतरे। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन के मुताबिक एंटीबायोटिक, हृदय रोग, दर्द एवं बुखार, बच्चों के सीरप, खांसी, पेेट, आंखों की दवाओं सहित इंजेक्शन तथा विटामिन उत्पादों के सेंपल फेल पाए गए हैं। अधिकांश दवाएं डिसाल्यूशन, कैंटेट, एरसे, स्टेरिलिटी, पीएच, पार्टिकुलेट मैटर तथा सैक्रिफ ओषधीय तत्व (एपीआइ) की निर्धारित मात्रा जैसे महत्वपूर्ण गुणवत्ता मानकों पर असफल रही। जून के ड्रा अलर्ट में हिमाचल में बनी 45, उत्तराखंड की 30 और गुजरात की 28, मध्य प्रदेश के 13, तमिलनाडु, महाराष्ट्र व सिक्किम की सात-सात दवाओं के सेंपल फेल मिले हैं। पंजाब, हरियाणा, बिहार, राजस्थान, तेलंगाना, कर्नाटक, असम सहित अन्य राज्यों से भी कुछ दवाओं के सेंपल फेल पाए गए हैं। ये दवाएं अलग-अलग राज्यों से बाजार में उपलब्ध थीं और मरीजों तक पहुंच चुकी थीं। इस भांति साल भर में सैकड़ों दवाएं जाँच में फेल हो चुकी हैं।

एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शोध ही भारतीय दवा बाजार 60.9 अरब डॉलर के स्तर को पार कर जाएगा। ऐसे में अपने मुनाफे के लिए

भारत दवाओं का सबसे ज्यादा प्रोडक्शन करने वाला देश है। मगर देशवासियों को अच्छी गुणवत्ता की दवाएं नहीं मिल पा रही हैं। इंडिया ब्रांड इफ़िटी फाउंडेशन के मुताबिक, भारत में फार्मा इंडस्ट्री बीते कुछ सालों में तेजी से बढ़ रही है। इसमें साल 2020 से 2025 के बीच 37 प्रतिशत कंपाउंड एनुअल ग्रोथ का अनुमान जताया गया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक सबसे अधिक माला में दवाइयां बनाने में भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा देश है।

लोगों की सेहत से खिलवाड़ करने वालों पर समय रहते सख्त कार्रवाई करनी होगी। आज के इस समय में नकली दवाइयां भी खूब मिलने लग गई हैं। ज्यादा पैसे कमाने के लालच में बाजार में नकली दवाइयों की बिक्री बढ़ गई है। बाजारों-अस्पतालों में घटिया और नकली दवाएं धड़ले से बिक रही हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार नकली और घटिया दवाएं बनाने की सबसे अधिक कंपनियां हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और गुजरात में हैं। इनमें से बहुत सी ऐसी कंपनियां सरकारी अस्पतालों में दवा की

सप्लाई का ठेका लेती हैं। नकली दवाओं का सेवन करने से आपके शरीर में कई गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। ऐसे में अगर आप मेडिकल स्टोर या ऑनलाइन वेबसाइट से दवाओं को खरीदते हैं तो इस स्थिति में आपको सावधान हो जाने की जरूरत है। घटिया और नकली दवाओं को बनाना-बेचना भ्रष्टाचार ही नहीं हमारी सेहत के लिए एक बड़ा खतरा भी है। ऐसे में नियामकीय व्यवस्था को मजबूत बनाकर ही नकली और मिलावटी दवाओं से निजात मिलेगी।गंभीर बीमारियों की छोड़िये,

छोटी मोटी मौसमी बीमारियां जैसे सर्दी, जुखाम, खांसी, बुखार, एसीडीटी, रक्तचाप और गैस आदि भी यदि अंग्रेजी दवाओं से ठीक नहीं हो रही है तो आप सावधान हो जाइये क्योंकि इन दवाओं के नकली और घटिया होने का खतरा मंडरा रहा है। अनेक मीडिया रिपोर्त्स में यह खुलासा किया गया है कि देशभर में नकली और घटिया दवाओं का धड़ले से निर्माण हो रहा है जिसका पुख्ता प्रमाण सरकारी एजेंसियों की छापामारी से मिल रहा है। जाँच में ये दवाइयां नकली निकल रही है जो जनता के स्वास्थ्य से संरेआम खिलवाड़ है। आम आदमी जीवन रक्षक दवाओं में मिलावट की खबरों से खारा परेशान है। हमारे बीच यह धारणा पुख्ता बनती जा रही है कि बाजार में मिलने वाली अंग्रेजी दवाओं में कुछ न कुछ मिलावट जरूर है। लोगों की यह चिंता बेबुनियाद नहीं है। ये दवाएं नामी ब्रांडेड कंपनियों की पैकेजिंग में बेची जा रही हैं। देशभर में हर दूसरे या तीसरे दिन खबरें छपती रहती है कि इतने करोड़ की नकली दवाई पकड़ी गयी। इतनी दवाओं को नह किया गया या सील किया गया। इसके बावजूद नकली दवाओं का धंधा बजाय कम होने के बड़ता ही जा रहा है।

भारत दवाओं का सबसे ज्यादा प्रोडक्शन करने वाला देश है। मगर देशवासियों को अच्छी गुणवत्ता की दवाएं नहीं मिल पा रही हैं। इंडिया ब्रांड इफ़िटी फाउंडेशन के मुताबिक, भारत में फार्मा इंडस्ट्री बीते कुछ सालों में तेजी से बढ़ रही है। इसमें साल 2020 से 2025 के बीच 37 प्रतिशत कंपाउंड एनुअल ग्रोथ का अनुमान जताया गया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक सबसे अधिक मात्रा में दवाइयां बनाने में भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा देश है। देश में सबसे तेज गति से बढ़ रहे इस कारोबार के 55 बिलियन डॉलर तक पहुंचने के साथ ही नकली और घटिया की दवाओं का अवैध कारोबार भी बढ़ रहा है जिससे लोगों की जान पर खतरा बढ़ता जा रहा है। एसोसैन ने अपनी एक रिपोर्ट में देश में बनने वाली कुल दवाओं का 25 प्रतिशत नकली और खराब गुणवत्ता वाली दवाएं बनने और बिकने का खुलासा किया था, जो विश्व की कुल नकली दवाओं का 35 प्रतिशत है। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारत सहित विभिन्न देशों में नकली दवाओं का कारोबार लगभग तीस अरब डॉलर तक पहुंच गया है।

‘देश में सबसे ज्यादा रोजगार पैदा करने वाला है गारमेन्ट उद्योग’

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। साउथ इंडिया गारमेंट्स एसोसिएशन(सिंगा) गारमेन्ट उद्योग के 31वें बहुप्रतीक्षित 31वें 'सिंगा फेयर -2026' की तैयारियों में जुटा है। शुक्रवार को एक पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए एसोसिएशन के अध्यक्ष अनुराग सिंघला ने बताया कि यह फेयर 28 जुलाई से तीन दिनों तक वैंलेस ग्राउंड के प्रिंसेस थ्राइन सभागार में होने जा रहा है। उन्होंने कहा कि आज गारमेन्ट उद्योग मंदी के दौर से गुजर रहा है और ऐसे में सिंगा फेयर जैसे फेयर गारमेन्ट उद्योग को नई दिशा देने में सहायक होते हैं। आज गारमेन्ट उद्योग सरकार की उपेक्षा और ग्राहकों का ऑनलाइन व्यापार की ओर बढ़ते रुझान की डबल मार झेल रहा है। अध्यक्ष ने बताया कि पूरे देश में गारमेन्ट उद्योग ही वह क्षेत्र है जो देश में सबसे ज्यादा रोजगार पैदा करता है। उन्होंने बताया कि इस उद्योग में सामान्य(अकुशल)महिला व पुरुष भी रोजगार पाते हैं और हजारों अनर्स्क्रिब्ड मजदूरों का इस उद्योग से घर चलता है परन्तु बड़े दुख की बात है कि केन्द्र व राज्य सरकार की ओर

से इसे उपेक्षित रखा गया है। सिंगला ने कहा कि यदि गारमेन्ट उद्योग की ओर सरकार थोड़ा सा ध्यान दे दे और जीएसटी की दरों को कुछ कम कर दे तो देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

उन्होंने ऑनलाइन से होने वाले नुकसानों

पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जब एक परिवार खरीददारी के लिए बाजार आता है तो वह कपड़े खरीदने के साथ साथ बाजार में और भी खरीददारी करता है जैसे आटो-बस का उपयोग, खानपान सामग्री की खरीददारी भी बढ़ती है परन्तु ऑनलाइन के माध्यम से

गारमेन्ट उद्योग के साथ साथ सहयोगी बाजार में भी उदासीनता छा रही है। उपाध्यक्ष नरेश लखनपाल ने कहा कि यदि सरकार गारमेन्ट उद्योग की नीतियों पर यदि बदलाव कर या सरलीकरण कर दे तो भी बाजार में एक बार फिर रौनक लौट सकती है। उपाध्यक्ष राजेश चावत ने कन्नड़ भाषा में कहा कि हमारी कर्नाटक सरकार को भी चाहिए कि वह गारमेन्ट उद्योग के बाजार को सुव्यवस्थित करे और कर्नाटक में गारमेन्ट उद्योग की मूलभूत सुविधाओं को और बढ़ावा दे।

सचिव तेजस मेहता ने बताया कि 'सिंगा' समय समय पर निर्माताओं और खुदरा विक्रेताओं को विभिन्न सरकारी योजनाओं, नियमों और विनियमों, कानूनों में बदलाव, औद्योगिक विकास पहलों, श्रम कानूनों, कानूनी मापन और वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के बारे में शिक्षित करता आ रहा है। कोषाध्यक्ष व ट्रेड फेयर के चेयरमैन गोविंद मूंदड़ा ने बताया कि इस ट्रेड फेयर में देशभर के 150 से अधिक प्रतिष्ठित गारमेंट प्रतिष्ठान महिला, पुरुष वर्ग सहित किस्स वेयर की विस्तृत रेंज प्रदर्शित करेंगे। यह ट्रेड फेयर बी-टू-बी है तथा आगामी त्योहारों के मद्देनजर इस प्रदर्शनी में नए उत्पादों का प्रदर्शन किया जा रहा है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

आमंत्रण

बेंगलूरु के अखिल कर्नाटक पूर्व सैनिक संघ एवं प्रियकृष्णा फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को कारगिल विजय उत्सव के उपलक्ष्य में विजयनगर स्थित बाल गंगाधर नाथ स्वामी खेल मैदान से पांच किलोमीटर की कारगिल रन का आयोजन है जिसके लिए संघ के अध्यक्ष शिवण्णा एवं अन्य सदस्यों ने समाजसेवी महेंद्र मुणोत को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया।



इरोड चैप्टर के नए अध्यक्ष चेतनसिंह राजपुरोहित और महासचिव बने जेटमल पालीवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इरोड(तमिलनाडु)। विप्र फाउंडेशन जोन 17 ए की बैठक इरोड में शंकर लाल रावल की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। रावल ने अपने स्वागत भाषण में क्षेत्रीय महामंत्री(दक्षिण) भगवान व्यास, जोन के अध्यक्ष श्रवण बोहरा, निर्मल शर्मा एवं उपस्थित सदस्यों का स्वागत किया और विगत चार वर्षों में दिए गए सहयोग के लिए सदस्यों का आभार प्रकट किया।श्रवण बोहरा ने संगठन का महत्व बताते हुए कहा कि समाज

श्रीमाधोपुर के घनिष्ठ शर्मा ने बनाया भगवान जगन्नाथ का मनमोहक चित्र गोपीनाथ मंदिर को भेंट किया

श्रीमाधोपुर/दक्षिण भारत। राजस्थान के श्रीमाधोपुर निवासी घनिष्ठ शर्मा ने भगवान जगन्नाथ का मनमोहक चित्र बनाया है, जिसकी काफी चर्चा हो रही है। बचपन से ही चित्रकारी का शौक रखने वाले घनिष्ठ ने खुद को इस कला के लिए समर्पित कर दिया है। जब उन्होंने कागज पर पेंसिल और रंगों से भगवान जगन्नाथ का स्वरूप उकेरा तो भक्त उसे देखकर मंत्रमुग्ध हो गए। रथयात्रा के पावन अवसर पर बनाए गए इस चित्र के दर्शन करने के लिए दूर-दूर से लोग आ रहे हैं। घनिष्ठ शर्मा ने बताया कि यह चित्र बनाने के लिए उन्होंने एक हफ्ते तक कड़ी मेहनत की। उन्होंने भगवान जगन्नाथ के



राजसी स्वरूप को उकेरने में कई बारीकियों का खास ध्यान रखा। श्याम रंग की आभा, विशाल नेत्र, पीत मुकुट, मोरपंख एवं पुष्प माला से अलंकृत चित्र दिव्य अनुभूति कराता है। यह लटकनों के कारण आकर्षक लगता है। घनिष्ठ शर्मा की भगवान में गहरी आस्था है। वे चित्र बनाने कागज पर पेंसिल और रंगों से भगवान जगन्नाथ का स्वरूप उकेरा तो भक्त उसे देखकर मंत्रमुग्ध हो गए। रथयात्रा के पावन अवसर पर बनाए गए इस चित्र के दर्शन करने के लिए दूर-दूर से लोग आ रहे हैं। घनिष्ठ शर्मा ने बताया कि यह चित्र बनाने के लिए उन्होंने एक हफ्ते तक कड़ी मेहनत की। उन्होंने भगवान जगन्नाथ के

कर्नाटक में पशु चिकित्सकों ने भर्ती घोटाले का आरोप लगाया

बेंगलूरु। पशु चिकित्सकों के एक समूह ने पशुपालन एवं मत्स्य विभाग में पशु चिकित्सा अधिकारी के 400 पदों की भर्ती के लिए कर्नाटक लोक सेवा आयोग (केपीएससी) की चयन प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए विधान सभा पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है और मामले की जांच की मांग की है। कर्नाटक लोक सेवा आयोग ने भर्ती परीक्षा जनवरी 2026 में आयोजित की थी और अंतिम चयन सूची 17 जुलाई को जारी की गई। शिकायतकर्ताओं ने आरोप लगाया कि कई अभ्यर्थियों से बिचौलियों ने संपर्क किया और नियुक्ति दिलाने के बदले 70 लाख से 80 लाख रुपये तक की मांग की। उन्होंने दावा किया कि उनके पास इस संबंध में हुई बातचीत की ऑडियो रिकॉर्डिंग हैं, जिन्हें पुलिस को सौंप दिया गया है। उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि कुछ परीक्षाएं रिजॉर्ट में आयोजित की गईं। शिकायतकर्ताओं ने चयनित कुछ अभ्यर्थियों को मिले अंकों पर भी सवाल उठाते हुए दावा किया कि परिणामों से भर्ती प्रक्रिया की निष्पक्षता को लेकर गंभीर संदेह पैदा हुआ है। उन्होंने अपनी शिकायत में यह भी आरोप लगाया कि अधिक अंक हासिल करने वाले कई अभ्यर्थी कर्नाटक लोक सेवा आयोग में प्रभावशाली पदों पर बैठे लोगों के रिश्तेदार हैं। कुछ शिकायतकर्ताओं ने आरोप लगाया कि कई सफल अभ्यर्थी स्नातक की परीक्षाओं में अनुत्तीर्ण हुए थे। यह शिकायत राज्यपाल थावरचंद गहलोत द्वारा 13 जुलाई को केपीएससी के अध्यक्ष शिवशंकरप्पा एस. साहूकार को नििलिखित किए जाने के बाद सामने आई है। साहूकार पर अपनी दो बेटियों का औद्योगिक विस्तार अधिकारियों के पद पर अवैध चयन कराने में मदद करने का आरोप है।



आध्यात्मिक ज्ञान से सुषुप्त शक्ति और प्रतिभा को जागृत करें : राष्ट्रसंत कमलमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। शहर के रथाकवासी जैन संघ हलदकेरी के तत्वावधान में राष्ट्रसंत श्री कमलमुनिजी कमलेश, घनश्याम मुनिजी, कौशल मुनिजी, अक्षत मुनिजी, सक्षम मुनिजी का शुक्रवार को चातुर्मासिक मंगल प्रवेश हुआ। शहर के फाउंटेन सर्कल से सकल संघ के साथ जैन मुनिजनों का अहिंसा के जयघोष के साथ वरघोड़ा रवाना हुआ। वरघोड़ा में महिलाओं ने अपने संघ की गणवेश धारण कर मंगल गीत गाए, तो पुरुष वर्ग ने साफा व परंपरिक वेशभूषा धारण कर वरघोड़ा की शोभा बढ़ाई। इस मौके पर साध्वी संस्कारनिधिजी तथा कमल मुनिजी कमलेश का आध्यात्मिक मिलन हुआ। चातुर्मास के प्रवेश के पश्चात स्थानक भवन में कमल मुनिजी ने समाज सुधार व चातुर्मास की

महत्ता पर प्रवचन देते कहा कि विज्ञान के माध्यम से आध्यात्मिक ज्ञान की रिसर्च कर जनता के सामने लाना चाहिए। आध्यात्मिक ज्ञान ही विज्ञान की कसौटी पर खरा उतरगा और संपूर्ण मानव समाज के लिए आस्था का केंद्र बनेगा, क्योंकि सब धर्म के ग्रंथ अलग-अलग हैं, परंपराओं का परस्पर विरोधाभास है, संत परंपरा में भी अलग-अलग मान्यता है, भगवान और उपासना को लेकर मतभेद होने से एक मंच में नहीं आ पा रहे हैं, इसलिए विज्ञान को नकारने की ताकत किसी में नहीं हो सकती है, वह सर्वमान्य होगा। युवा पीढ़ी को धर्म से जोड़ने के लिए आध्यात्मिक ज्ञान ही सबसे महान व सर्वश्रेष्ठ होगा। विज्ञान पर अध्यात्म का अंकुश रहेगा तो वरदान का काम होगा। आध्यात्मिकता की ओर जनता का लगाव बढ़ सकता है। चातुर्मास समय में 'आध्यात्मिक ज्ञान' से जनता के अंदर सौंदर्य शक्ति और प्रतिभा जागृत होती है।

ज्ञान द्वारा ही सकारात्मक और रचनात्मक दिशा प्रदान की जा सकती है। चातुर्मास प्रवेश के अवसर पर अखिल भारतीय ज्ञान दिवाकर विचार मंच के अनेक पदाधिकारी, स्थानकवासी जैन संघ हलदकेरी के अध्यक्ष सुभाष दरडा, सचिव बुधमल बाघमार, राजेंद्र मकाणा, गौतम सांखला, दिनेश दक, अग्रहारा से मांगीलाल सेठिया, सिद्धार्थ नगर से प्रकाशचंद पितलिया, युवा संघ के अध्यक्ष नवरतनमल दरला, पूर्व अध्यक्ष राजन बाघमार, मनोहर सांखला, अनिल कांकरिया सहित सुमतिनाथ जैन संघ, सुविधानाथ राजेंद्रसूरी जैन ट्रस्ट, साधुमार्गी जैन संघ, विद्यारण्यपुरम स्थानकवासी जैन संघ, राजुल बहु मंडल, मुक्ति महिला मंडल, साधना मंडल, त्रिशला मंडल, ज्ञानगच्छ, अम्बेश गुरु सेवा समिति, बालिका मंडल से बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित थे।

बेहतर कनेक्टिविटी और यात्रियों के लिए ज्यादा सुविधा

हमने रेलवे को सिर्फ एक सेवा के तौर पर नहीं, बल्कि एक संपत्ति के तौर पर विकसित करने का काम किया है, जिसका नतीजा आज साफ तौर पर देखा जा सकता है।
- नरेंद्र मोदी, प्रधान मंत्री

बेंगलुरु के रामोहल्ली गेट पर रोड अंडर ब्रिज का उद्घाटन

बेहतर रेल-रोड कनेक्टिविटी, स्थानीय व्यापार और क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा

स्थानीय निवासियों की दीर्घकालिक लंबित मांग की पूर्ति

रामोहल्ली में लेवल क्रॉसिंग पर होने वाली देरी खत्म, जिससे सड़क पर आवाजाही तेज और सुरक्षित होगी

स्थानीय और क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को बढ़ावा, जिससे आर्थिक और सामाजिक विकास में मदद मिलेगी

द्वारा

वी. सोमन्ना

केंद्रीय रेल एवं जल शक्ति राज्य मंत्री

25 जुलाई 2026 रामोहल्ली गेट सुबह 11:00 बजे

सभी सादर आमंत्रित हैं

भारतीय रेलवे

देश की सेवा में

Follow us on:

RailMinIndia

PUB/322/AAMG/PRB/SWR/2026-27

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , 1st floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. Editor-Shreekant Parashar, (Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/RNI No. 58061/93.